

आशा का मूल्यांकन : प्रशिक्षण कार्यशाला 1 से 4

सत्र 1 : प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन: प्रशिक्षण कार्यशाला 1 से 4

दिवस : 1

समयावधि : 1 घं. 30 मि.

प्रयोजन

आशायें क्षेत्र में पिछले कई महीनों से कार्य कर रही हैं। उन्हें नवजात शिशु की आवश्यक देखभाल करना, और साथ साथ जन्मतेही दम घुटना तथा सेप्सिस का निदान सिखाया जा चुका है। इन समस्याओं का उपचार आशायें विशिष्ट चरणों में सीख रही हैं। जन्मतेही दम घुटे शिशु के उपचार के लिए वे सीख चुकी हैं कि चूषण पंप की सहायता से स्ट्राव कैसे निकालते हैं। सेप्सिस के लिए उन्होंने कोट्रिमाॅक्सेज़ोल से उपचार करना सीखा है। नवजात शिशु की पूरी देखभाल के लिए आशा को दम घुटे शिशु का बैग और मास्क की सहायता से उपचार करना तथा सेप्सिस का जेन्टामायसिन इंजेक्शन से उपचार करना सिखाये जाने हैं। प्रशिक्षण के इस अंतिम चरण की शुरुआत से पहले आशाओं की कार्य कुशलता— प्राप्त ज्ञान तथा योग्यताओं का मूल्यांकन करना आवश्यक है।

उद्देश्य

सत्र के अंत में, प्रशिक्षण कार्यशाला 1 से 4 में प्राप्त ज्ञान के लिये लिखित परीक्षा द्वारा आशाओं का मूल्यांकन हुआ होगा।

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1: मूल्यांकन प्रश्नपत्र
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: प्रश्नपत्र के उत्तर (अभ्यासपत्र 1)
- प्रशिक्षक प्रपत्र 2: मूल्यांकन अंकतालिका

तैयारी

- अभ्यासपत्र 1 की पर्याप्त प्रतियाँ तैयार रखें।
- इस परीक्षा के समय एक बाहरी परीक्षक मौजूद हो।

प्रशिक्षण विधि

मूल्यांकन (1 घं. 30 मि.)

बाहरी परीक्षकों हेतु सुझाव:

1. अभ्यासपत्र 1: प्रश्नपत्र बॉटें।
2. आशाओं को अपने आप इसे भरने दें।
3. हल किये हुए प्रश्नपत्र वापस ले लें तथा बाहरी परीक्षक उन्हें जाँच लें।
4. प्राप्त अंकों की सूची तैयार करें।
5. जाँचे हुए प्रश्नपत्र तथा प्राप्त अंको की सूची गुण निर्धारण के लिए भेंज दें।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
सभी आशाओं को प्राप्त ज्ञान के मूल्यांकन में 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक मिलेंगे	प्रश्नपत्र	सभी आशाओं द्वारा हल किये गये तथा बाहरी परीक्षक द्वारा जाँचे गए प्रश्नपत्र